087 सूरह आला. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब.
मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» कामयाब कौन?

इन्सान हर बुलंदी और उंचे दरजे हासिल करने के लिये अल्लाह तआला का मोहताज हे. आखिरत जियादा बेहतर और हमेशा काम आने वाली हे.

ए नबीﷺ अपने उंचे शान वाले परवरदिगार के नाम की तस्बीह बयान कीजिये, जिसने पैदा किया, फिर हर चीझ को ठीक-ठीक और एतेदाल (दरमियानी) छोटा बडा नही बनाया, हर चीझ को एक खास अन्दाज़े से बनाया और उस्को उस्के मुनासिब रेहनुमाई (गाइडन्स) भी अता किया (यानी हर मखलूक को उस्का काम सिखा दिया हे और उस्को इस बात की रहनुमाई अता करदी हे के वोह किस तरह इस काम को अन्जाम दे, और जिस्को जो काम सुपुर्द किया गया हे वो उसी मे अल्लाह के हुक्म के मुताबिक लगा हुवा हे)

उसी ने ज़मीन से उगने वाली चिझे उगाई, फिर उन्को काला कूडा करकट बना दिया, (इस्मे इन्सान को उस्का अन्जाम याद दिलाया कि जिस तरह ज़मीन से उगने वाली खूबसूरत सब्जिया एक दिन खत्म हो जायेगी इसी तरह इन्सान भी एक दिन खत्म हो जायेगा) हम आपको (कुरान) पढा देगे फिर आप नही भूलेगे, वोह हर खुली हुई और छुपी

हुई बात को जानता हे, उसने आपके लिये दीन के रास्ते को आसान कर दिया हे. (यानी अल्लाह तआला आपकी तबीयत को ऐसा बना देगे शरीयत के हुक्मो पर अमल करना आपकी तबीयत बन जाये, और आप शरीयत के साचे मे ढल जाये)
आप नसीहत करते रहे, मगर आपकी बात वोही सुनेगा जिस्के दिल मे अल्लाह का खोफ होगा, और बदनसीब शख्स इस नसीहत से पीठ फेर जायेगा, और यही (बदनसीब) बडी आग मे दाखिल होगा, बेशक वोही कामयाब हुवा जिसने अपने आपको पाक कर लिया, (यानी अपने नफ्स को बुरी आदतो से पाक कर लिया और अपने आप को अल्लाह के रसूलﷺ के हुकमो के ताबे (आज्ञाकार) कर दिया वोही जिसने अपने रब का जिक्र किया और नमाज़ पढी, हकीकत ये हे कि तुम लोग दुनिया को पसन्द किये हुवे हो हालाके आखिरत बेहतर हे और बाकी रहने वाली हे.